क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को पूंजी पर्याप्तता मानदंड लागू करने पर 28 दिसंबर 2007 का मास्टर परिपत्र ग्राआऋवि.कैंका.आरआरबी.सं.बीसी. 44/05.03.095/2007-08

Master Circular RPCD.CO.RRB.No.BC.44/05.03.095/2007-08 dated December 28, 2007 on Application of Capital Adequacy Norms to Regional Rural Banks:

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड) Amended text in RBI regulation (track change mode)
1	अनुबंध 1 पैरा II	**भारतीय बैंकों के विदेशी परिचालनों के संबंध में अतिरिक्त जोखिम भार (केवल प्राधिकृत व्यापारियों के लिए लागू)** 1. विदेशी विनिमय और ब्याज दर संबंधी संविदाएं i) विदेशी विनिमय संविदाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: ए. पारस्परिक मुद्रा ब्याज दर स्वैप बी. वायदा विदेशी विनिमय कॉन्ट्रैक्ट्स सी. मुद्रा फ्यूचर्स डी. खरीदे गए मुद्रा ऑप्शन्स इ. समान प्रकृति के अन्य संविदाएं (ii) जैसा कि तुलन-पत्र से इतर मदों के मामले में, नीचे निर्धारित दो चरणों की गणना लागू की जाएगी: (ए) **चरण 1** - प्रत्येक लिखत की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाता है:	**~~भारतीय बैंकों के विदेशी परिचालनों के संबंध में~~ अतिरिक्त जोखिम भार (केवल प्राधिकृत व्यापारियों के लिए लागू)** **1. विदेशी विनिमय ~~और ब्याज दर संबंधी~~ संविदाएं** i) विदेशी विनिमय संविदाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: ए. पारस्परिक मुद्रा ~~ब्याज दर~~ स्वैप बी. वायदा विदेशी विनिमय कॉन्ट्रैक्ट्स सी. मुद्रा फ्यूचर्स डी. खरीदे गए मुद्रा ऑप्शन्स इ. समान प्रकृति के अन्य संविदाएं (ii) जैसा कि तुलन-पत्र से इतर मदों के मामले में, नीचे निर्धारित दो चरणों की गणना लागू की जाएगी: (ए) **चरण 1** - प्रत्येक लिखत की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाता है:

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संदर्भ पैरा</th><th>मौजूदा सार</th><th>आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड)
Amended text in RBI regulation (track change mode)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>
<table>
<tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांतरण कारक</th></tr>
<tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>2%</td></tr>
<tr><td>एक वर्ष लेकिन दो वर्ष से कम</td><td>5% (i.e. 2% + 3%)</td></tr>
<tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>3%</td></tr>
</table>

(बी) चरण 2 - इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा जैसा कि ऊपर ए में दिया गया है।

2. ब्याज दर संविदाएं

iii) ब्याज दर संविदाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:
ए. एकल मुद्रा ब्याज दर स्वैप
बी. मूल स्वैप
सी. वायदा दर संविदाएं
डी. ब्याज दर फ्यूचर्स
ई. खरीदे गए ब्याज दर ऑप्शन्स
एफ. समान प्रकृति के अन्य संविदाएं
(iv) जैसा कि तुलन-पत्र से इतर मदों के मामले में, नीचे
</td><td>
<table>
<tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांतरण कारक</th></tr>
<tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>2%</td></tr>
<tr><td>एक वर्ष लेकिन दो वर्ष से कम</td><td>5% (i.e. 2% + 3%)</td></tr>
<tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>3%</td></tr>
</table>

<u>जब इस अनुबंध के पैराग्राफ II.3 में निर्दिष्ट प्रभावी द्विपक्षीय नेटिंग अनुबंध लागू होते हैं, तो नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित रूपांतरण कारक लागू होंगे:</u>

<table>
<tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांतरण कारक</th></tr>
<tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>1.5%</td></tr>
<tr><td>एक वर्ष लेकिन दो वर्ष से कम</td><td>3.75 (i.e. 1.5% + 2.25%)</td></tr>
<tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>2.25%</td></tr>
</table>

(बी) चरण 2 - इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा जैसा कि ऊपर <u>I</u>-ए में दिया गया है।
</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संदर्भ पैरा</th><th>मौजूदा सार</th><th>आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड)
Amended text in RBI regulation (track change mode)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>निर्धारित दो चरणों की गणना लागू की जाएगी:

(ए) चरण 1 - प्रत्येक लिखत की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाता है:
<table><tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांकरण कारक</th></tr><tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>0.5%</td></tr><tr><td>एक वर्ष लेकिन दो वर्ष से कम</td><td>1%</td></tr><tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>1%</td></tr></table>
(बी) चरण 2 - इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा जैसा कि ऊपर I-ए में दिया गया है।

नोट: वर्तमान में, आरआरबी विदेशी मुद्रा लेनदेन नहीं कर रहे हैं। हालांकि, यदि भविष्य में उन्हें एडी का लाइसेंस दिया जाता है, तो वे ऊपर उल्लिखित लेनदेन कर सकते हैं। किसी विशिष्ट लेनदेन के लिए जोखिम भार निर्दिष्ट करने में किसी अनिश्चितता की स्थिति में, आरबीआई स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है।</td><td>*नोट: ऋण एक्सपोजर की गणना के प्रयोजनों के लिए वायदा विदेशी विनिमय हेतु नेटिंग प्रतिपक्ष संविदाएं और अन्य समान संविदाएं जिनमें कल्पित मूलधन नकदी प्रवाह के बराबर है, मूल क्रेडिट रूपांतरण कारक (अर्थात, द्विपक्षीय नेटिंग के प्रभाव पर विचार किए बिना) को कल्पित मूलधन पर लागू किया जाना चाहिए, जिसे प्रत्येक मुद्रा में मूल्य तिथि पर देय शुद्ध प्राप्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है । किसी भी मामले में उपरोक्त घटाए गए कारकों को निवल कल्पित राशियों पर लागू नहीं किया जाना चाहिए।

2. ब्याज दर संविदाएं

iii) ब्याज दर संविदाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:
ए. एकल मुद्रा ब्याज दर स्वैप
बी. ~~मूल~~ बेसिस स्वैप
सी. वायदा दर संविदाएं
डी. ब्याज दर फ्यूचर्स
ई. खरीदे गए ब्याज दर ऑप्शन्स
एफ. समान प्रकृति के अन्य संविदाएं
(iv) जैसा कि तुलन-पत्र से इतर मदों के मामले में, नीचे निर्धारित दो चरणों की गणना लागू की जाएगी:</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संदर्भ पैरा</th><th>मौजूदा सार</th><th>आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड)
Amended text in RBI regulation (track change mode)</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>
(ए) चरण 1 - प्रत्येक लिखत की कल्पित मूल राशि को नीचे दिए गए रूपांतरण कारक से गुणा किया जाता है:
<table>
<tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांकरण कारक</th></tr>
<tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>0.5%</td></tr>
<tr><td>एक वर्ष लेकिन दो वर्ष से कम</td><td>1%</td></tr>
<tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>1%</td></tr>
</table>
जब इस अनुबंध के पैराग्राफ II.3 में निर्दिष्ट प्रभावी द्विपक्षीय नेटिंग अनुबंध लागू होते हैं, तो नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित रूपांतरण कारक लागू होंगे:
<table>
<tr><th>मूल परिपक्वता</th><th>रूपांकरण कारक</th></tr>
<tr><td>एक वर्ष से कम</td><td>0.35%</td></tr>
<tr><td>एक वर्ष लेकिन दो वर्ष से कम</td><td>0.75%</td></tr>
<tr><td>प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए</td><td>0.75%</td></tr>
</table>
(बी) चरण 2 - इस प्रकार प्राप्त समायोजित मूल्य को संबंधित प्रतिपक्ष को आवंटित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा जैसा कि ऊपर I-ए में दिया गया है।
नोट: ~~वर्तमान में, आरआरबी विदेशी मुद्रा लेनदेन नहीं कर रहे हैं।~~
</td></tr>
</table>

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड) **Amended text in RBI regulation (track change mode)**
			~~हालांकि, यदि भविष्य में उन्हें एडी का लाइसेंस दिया जाता है, तो वे ऊपर उल्लिखित लेनदेन कर सकते हैं।~~ किसी विशिष्ट लेनदेन के लिए जोखिम भार निर्दिष्ट करने में किसी अनिश्चितता की स्थिति में, आरबीआई स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है। **3. द्विपक्षीय नेटिंग अनुबंध की मान्यता की आवश्यकता:** (ए) बैंक नवीयन के अधीन लेन-देन को नेट कर सकते हैं जिसके तहत किसी बैंक और उसके प्रतिपक्ष के बीच किसी दिए गए मूल्य की तारीख पर किसी मुद्रा को सुपुर्दगी करने का कोई दायित्व, पिछले सकल दायित्वों के लिए विधिक रूप से एक एकल राशि को प्रतिस्थापित करते हुए, स्वचालित रूप से उसी मुद्रा और मूल्य तिथि के लिए अन्य सभी दायित्वों के साथ समामेलित हो जाता है। (बी) बैंक किसी भी विधिक रूप से वैध द्विपक्षीय नेटिंग के अधीन लेन-देन भी कर सकते हैं, जो (ए) में शामिल नहीं है, जिसमें अन्य प्रकार के नवीयन भी शामिल हैं। (सी) दोनों मामलों (ए) और (बी) में, बैंक को शर्तें पूरा करने की आवश्यकता होगी कि उसके पास है कि: (i) प्रतिपक्ष के साथ एक नेटिंग संविदा या करार जो एक

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड) **Amended text in RBI regulation (track change mode)**
			एकल विधिक दायित्व बनाता है, जिसमें सभी सम्मिलित लेनदेन शामिल हैं, जैसे प्रतिपक्ष निम्नलिखित में से किसी भी कारण प्रदर्शन करने में विफल होने की स्थिति में बैंक के पास सम्मिलित व्यक्तिगत लेनदेन के सकारात्मक और नकारात्मक मार्क-टू-मार्केट मूल्यों की केवल निवल राशि का भुगतान करने का दावा या दायित्व होगा: चूक, दिवालियापन, परिसमापन या इसी तरह की परिस्थितियां; (ii) लिखित और तर्कसंगत विधिक राय है कि, विधिक चुनौती की स्थिति में, संबंधित अदालतों और प्रशासनिक अधिकारियों को बैंक का एक्सपोजर इस तरह की निवल राशि के तहत मिलेगा: • अधिकार क्षेत्र की विधि जिसमें प्रतिपक्ष चार्टर्ड है और, यदि प्रतिपक्ष की विदेशी शाखा शामिल है, फिर उस अधिकार क्षेत्र की विधि के तहत भी, जिसमें शाखा स्थित है; • व्यक्तिगत लेनदेन को नियंत्रित करने वाली विधि; और • नेटिंग को प्रभावित करने के लिए आवश्यक किसी भी संविदा या करार को नियंत्रित करने वाली विधि। (iii) प्रासंगिक विधि में संभावित परिवर्तनों के आलोक में नेटिंग व्यवस्था की विधिक विशेषताओं की समीक्षा के लिए सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाएं।

क्र.सं.	संदर्भ पैरा	मौजूदा सार	आरबीआई विनियमन में संशोधित पाठ (ट्रैक चेंज मोड) Amended text in RBI regulation (track change mode)
			(डी) विनिर्गम खंड (वॉकअवे क्लॉज) वाली संविदा इन दिशानिर्देशों के तहत पूंजी आवश्यकताओं की गणना के उद्देश्य से नेटिंग के लिए पात्र नहीं होंगे। विनिर्गम खंड एक ऐसा प्रावधान है जो एक गैर-चूककर्ता प्रतिपक्ष को एक चूककर्ता की संपत्ति को केवल सीमित भुगतान या कोई भुगतान नहीं करने की अनुमति देता है, भले ही चूककर्ता निवल लेनदार ही क्यों न हो।